

छह नज्जी अस्पताल आयुष्मान योजना की सूची से बाहर

चर्चा में क्यों?

17 मार्च, 2022 को उत्तराखण्ड राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण ने आयुष्मान योजना के गोल्डन कार्ड पर मरीजों को अस्पताल में उपलब्ध सभी स्पेशलिटी की सुविधाएँ न देने पर छह नज्जी अस्पतालों की सूचीबद्धता रद्द कर दी।

प्रमुख बद्दि

- राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण ने देहरादून, ऊधमसहि नगर, नैनीताल और टहिरी ज़िले के छह नज्जी अस्पतालों की योजना में सूचीबद्धता समाप्त कर दी है। इसमें कंबाइंड मेडिकल इंस्टीट्यूट, देहरादून (सीएमआई), सुंदर मोहन डेंटल केयर एंड रूट कैनाल सेंटर देहरादून, ऊषा बहुगुणा अल्फा हेल्थ इंस्टीट्यूट नैनीताल, गहतोरी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, कशोर हॉस्पिटल ऊधमसहि नगर व क्रिशचयिन हॉस्पिटल चंबा शामिल हैं।
- उल्लेखनीय है कि प्राधिकरण की ओर से सूचीबद्ध अस्पतालों को सभी स्पेशलिटी की सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिये एक माह का समय दिया गया था। वेल्मेड हॉस्पिटल को छोड़कर बाकी कोई भी नज्जी अस्पताल सभी सेवाएँ देने को तैयार नहीं हुआ। इस पर प्राधिकरण ने सूचीबद्धता नरिस्त करने की कार्रवाई की है।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की आयुष्मान योजना की गाइडलाइन के मुताबकि सूचीबद्ध अस्पतालों को उपलब्ध सभी स्पेशलिटी की सुविधाएँ मरीजों को देनी होंगी।
- प्रदेश में कई ऐसे नज्जी अस्पताल हैं, जनिहोंने गोल्डन कार्ड पर एक या दो बीमारियों का इलाज करने को सूचीबद्ध किया है। इससे गोल्डन कार्ड धारक मरीजों को इलाज कराने में दकिकते आ रही हैं।
- गौरतलब है कि गोल्डन कार्ड एक ऐसा कार्ड है जिसकी सहायता से देश का कोई भी व्यक्ति आयुष्मान भारत योजना में चुने गए सरकारी और नज्जी हॉस्पिटलों में अपना 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज करवा सकते हैं। यह कार्ड उन गरीब लोगो को दिया जाता है जो आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थी होते हैं।